

**गाँसना** स.क्रि. (देश.) 1. गूँथना, कसना 2. सालना, छेदना, चुभोना आर-पार करना 3. रस्सी या धागे को बुनते हुए ताने में कसना, ठस करना।

**गाँसी** स्त्री. (देश.) 1. तीर या बरछी का फल, हथियार की नोक 2. गाँठ, गिरह 3. कपट 4. मनोमालिन्य।

**गाइगर-मूलर गणित** पुं. (अं.+तत्.) कांच की नली का बना यंत्र जो आयनकारी विकिरण (गामा बीटा या एल्फा किरण) की उपस्थिति का पता लगाने के लिए प्रयुक्त होता है giger-muller counter

**गाइड** पुं. (अं.) 1. पथ प्रदर्शक 2. यात्रियों, पर्यटकों को दर्शनीय स्थान, वस्तुएँ आदि दिखाने वाला 3. वह पुस्तक जिसमें किसी विशेष संस्था या कार्य-विभाग के नियम आदि लिखे हों guide

**गाउन** पुं. (अं.) 1. पश्चिमी देशों की स्त्रियों का एक लंबा पहनावा 2. एक विशिष्ट लंबा परिधान जो वकालत, विज्ञान, गणित आदि की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर स्नातकों द्वारा विशेष अवसरों पर पहना जाता है 3. ईसाई धर्म के प्रचारकों द्वारा पहना जाने वाला वस्त्र gown

**गागर** स्त्री. (तद्.) गगरी, घड़ा, कलसा। मुहा. गागर में सागर भरना-थोड़े में बहुत अधिक बातों का समावेश करना।

**गागरा** पुं. (देश.) भंगियों की एक जाति।

**गागरी** स्त्री. (तद्.) घड़ा, गगरी।

**गाच** पुं. (देश.) एक तरह का जालीदार कपड़ा।

**गाछ** पुं. (तद्.) 1. पौधा 2. एक प्रकार का पान 3. छोटा पेड़।

**गाछी** स्त्री. (देश.) 1. पेड़ों का कुंज, बाग 2. खजूर की नरम कौपल 3. पशुओं की पीठ पर बोझ लादने के लिए बोरा।

**गाज** स्त्री. (तद्.) 1. बिजली की कड़क 2. गर्जन, गरज, शोर 3. फेन, झाग मुहा. गाज पड़ना-बिजली गिरना, ध्वंस होना।

**गाजना** अ.क्रि. (तद्.) 1. शब्द करना, हुँकार करना, चिल्लाना 2. हर्षित होना, प्रसन्न होना मुहा. गल गाजना- हर्षित होना।

**गाजर** स्त्री. (तद्.) एक मीठा मूल जो कच्चा और अचार मुरब्बे के रूप में खाया जाता है मुहा. गाजर मूली समझना- तुच्छ समझना।

**गाजा** पुं. (अर.) सुगंधित पाउडर जिसे स्त्रियाँ सौंदर्य वृद्धि के लिए मुँह पर लगाती हैं।

**गाजी** पुं. (अर.) 1. काफिरों से लड़ने वाला मुसलमान योद्धा 2. बहादुर, वीर।

**गाटर** पुं. (अं.) लोहे का शहतीर जिसे दीवारों पर डाल कर छत पाटी जाती है स्त्री. (तत्.) जुआठे की लकड़ी जिसके इधर-उधर बैल जोते जाते हैं।

**गाटा** पुं. (देश.) खेत का छोटा टुकड़ा।

**गाड़** स्त्री. (देश.) 1. गड़ढसा 2. खत्ता 3. खेत की मेंड़।

**गाड़ना** स.क्रि. (देश.) 1. जमीन के अंदर दफनाना 2. जमाना 3. धँसाना 4. गुप्त रखना, छिपाना।

**गाड़र** स्त्री. (देश.) भेड़।

**गाड़व** पुं. (तद्.) मेघ, बादल।

**गाड़ा** पुं. (देश.) 1. छकड़ा, बैल गाड़ी 2. घात में बैठने का गड़ढा 3. वह गड़ढा जो कोल्हू के नीचे रहता है, जिसमें तेल या रस जमा करने के लिए बरतन रखा जाता है।

**गाड़ी** स्त्री. (तद्.) पहिये के सहारे चलने वाली सवारी, शकट मुहा. गाड़ी भर- बहुत-सा; गाड़ी छूटना- उद्देश्य प्राप्ति में असफल होना।

**गाड़ी खाना** पुं. (देश.+फा.) वह स्थान जहाँ गाड़ियाँ रखी जाती हैं।

**गाड़ीवान** पुं. (देश.) 1. गाड़ी हाँकने वाला, कोचवान।

**गाढ़** पुं. (तद्.) 1. कठिनाई, आपत्ति, संकट 2. जुलाहों का करघा मुहा. गाढ़े में पड़ना- संकट में पड़ना वि. (तत्.) 1. अधिक, बहुत, अतिशय 2. दृढ़, मजबूत 3. घना, गाढ़ा 4. उथाह, गहरा 5. विकट, कठिन, दुरूह, दुर्गम।